

श्रीजगदम्बास्तुतिः २

Shri Jagadambastutih 2

sanskritdocuments.org

November 10, 2018

---

# Shri Jagadambastutih 2

श्रीजगदम्बास्तुतिः २

## Sanskrit Document Information

---

Text title : jagadambAstutiH 2

File name : jagadambAstutiH2.itx

Category : devii, sachchidAnanda-shivAbhinava-nRisiMhabhAratI, devI, sarasvatI

Location : doc\_devii

Author : Sachchidananda Shivabhinava Nrisimha Bharati Swamigal

Proofread by : PSA Easwaran psawaswaran at gmail.com

Latest update : November 9, 2018

Send corrections to : Sanskrit@cheerful.com

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

November 10, 2018

*sanskritdocuments.org*

---

---

## Shri Jagadambastutih 2

---

### श्रीजगदम्बास्तुतिः २

---



भज जगदम्बां भज जगदम्बां

जगदम्बां भज भूढमते ।

प्राप्ते काले न छि न छि रक्षति

वित्तं मित्रं पुत्रो जाया ॥ १ ॥ भज जगदम्बां

भववाञ्छां त्यज कुरु गुरुसेवां

विनयावनतः प्रतिदिनमपि भोः ।

भरताग्रजवद्भज पितृभक्तिं

तर भवसागरमाशु सुबुद्धे ॥ २ ॥ भज जगदम्बां

शमदमसाधनसम्पद्युक्तो

नित्यानित्यविचारयुतश्च ।

विषयेष्वभिलेष्याशारहितो

भव मोक्षेच्छाभाजनमपि भोः ॥ ३ ॥ भज जगदम्बां

श्रोत्रियमेनोत्-चविडीनं

अडुदूरीकृतरागद्वेषम् ।

ब्रह्मणि निष्ठितदृढयाभ्मोजं

भज गुरुवर्यं करुणासिन्धुम् ॥ ४ ॥ भज जगदम्बां

आसाद्यैत्थं गुरुवरमेनं

पृथ प्रश्नं विनमन्मूर्तिः ।


संसारार्थिं द्रुस्तरमारा-

द्रुवर्यं कथं प्रतरेयमिति ॥ ५ ॥ भज जगदम्बां


एति शृङ्गेरि श्रीजगद्गुरु श्रीसख्येदानन्दशिवाभिनवनृसिंह-

भारतीस्वामिभिः विरचिता श्रीजगदम्बास्तुतिः समाप्ता ।

Proofread by PSA Easwaran psaeaswaran at gmail.com

——  
*Shri Jagadambastutih 2*

pdf was typeset on November 10, 2018

——  
Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

